भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

विविधता का अमृत महोत्सव के अवसर पर अभिभाषण

राष्ट्रपति भवन, 08 फरवरी, 2024

आज यहां उपस्थित North East के शिल्पकारों, कलाकारों, प्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। North East की जो झलक आप सबने अपने stalls और प्रयासों के जरिए प्रस्तुत की है, वह अत्यंत प्रभावशाली है। इन सुंदर प्रस्तुतियों के लिए मैं आप सबकी सराहना करती हूं।

North East में जाने का अवसर मुझे कई बार मिला है। उन सभी यात्राओं की मधुर यादें मेरे मानस-पटल पर अंकित हैं। उस क्षेत्र को प्राकृतिक सुंदरता का अनमोल वरदान प्राप्त है। वहां के लोगों में अद्भुत प्रतिभा है जो नृत्य, संगीत, परिधान, हस्त-कौशल तथा व्यंजनों में दिखाई देती है। आज ऐसा लगता है मानो North East राष्ट्रपति भवन परिसर में जीवंत हो उठा है। आप सब ने इस परिसर को एक नई ऊर्जा से भर दिया है।

North East में हमारी संस्कृति के अनेक सुंदर और विविध रूप देखने को मिलते हैं। यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि राष्ट्रपति भवन परिसर में भारत की सांस्कृतिक विविधता का अमृत महोत्सव मनाने की परंपरा का शुभारंभ North East से जुड़े इस उत्सव के साथ किया जा रहा है।

हमारे देश की सांस्कृतिक विविधता अतुलनीय है। यह अवर्णनीय भी है। हमारे देश की विविधता को व्यक्त करने के लिए इसे इंद्रधनुषी कहा जाता है। लेकिन इंद्रधनुष में भी केवल सात रंग ही होते हैं। मुझे बताया गया है कि यहाँ अष्टलक्ष्मी रंगोली नामक प्रस्तुति भी की जाएगी जिसमें North East की विविधता का संगम प्रस्तुत किया जाएगा।

हमारे देश की अनेक-वर्णा बहुरंगी संस्कृति की विविधता हमारी शक्ति है, हमारी soft power है। इस विविधता का उत्सव मनाने से हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उसमें निहित एकता का प्रदर्शन भी होगा और अनुभव भी। इस उद्देश्य से राष्ट्रपति भवन परिसर में देश के सभी क्षेत्रों की सांस्कृतिक विशेषताओं का क्रमशः आयोजन किया जाएगा। इन आयोजनों की सफलता के लिए मैं हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ।

North East के सभी राज्यों की सीमाएं अन्य देशों से लगी हुई हैं। यह क्षेत्र हमारी Act East Policy का मार्ग प्रशस्त करता है। इस क्षेत्र की Connectivity और प्रगति के लिए पिछले 10 वर्षों के दौरान अभूतपूर्व प्रगति हुई है। North-East के दुर्गम क्षेत्रों को भी रेलवे से जोड़ा जा रहा है। इस प्रगति से North East की कलाओं के प्रसार को भी नयी ऊर्जा मिली है। North East में आज रिकॉर्ड संख्या में टूरिस्ट पहुंच रहे हैं। North East में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर का आयोजन G-20 के संदर्भ में आयोजित किया गया। इन उपलब्धियों के लिए मैं श्री किशन रेड्डी जी और उनकी पूरी टीम की सराहना करती हूं। North East के समग्र और निरंतर विकास के लिए मैं सभी राज्यपालों के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्रियों की कर्मठता की प्रशंसा करती हूं।

मैं आशा करती हूं कि इस महोत्सव में भाग लेने के लिए बड़ी से बड़ी संख्या में लोग आएंगे तथा North East की सांस्कृतिक ऊर्जा का अनुभव करेंगे। यही विविधतता के अमृत महोत्सव के इस प्रथम आयोजन का उद्देश्य है। मैं North East के निवासियों सहित, सभी देशवासियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करती हूं।

धन्यवाद,

जय हिन्द!

जय भारत!